लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अलीगढ़ व कानपुर से प्रकाशित

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 1 मई 2023

PAGE NO. 4: BOTTOME

चरित्र भी गढ़ देती है मानसिक वेदना

रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

• एसआरएमएस रिद्धिमा में कथा एक कंस की नाटक का मंचन

अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को कथा एक कंस की नाटक का मंचन किया गया। दया प्रकाश सिन्हा द्वारा लिखित और एकलव्य थिएटर देहरादून द्वारा प्रस्तुत नाटक में कंस की मानसिक वेदना एवं व्यक्तित्व में तनावपूर्ण परिवर्तन को दर्शाया गया। व्यक्ति जन्म से नकारात्मक नहीं होता, बल्कि स्थितियां एवं मानसिक उत्पीड़न ही किसी व्यक्ति को नकारात्मकता की ओर ले जाती हैं।

कंस अधिकांश समय अपनी सखी स्वाति के साथ वन में व्यतीत करता है। स्वाति और कंस एक दूसरे से बहुत प्रेम करते हैं। कंस को शास्त्रों से अधिक रुचि संगीत और वाद्ययंत्रों में है लेकिन कंस का यह कोमल स्वभाव उसके पिता उग्रसेन को पसंद नहीं।

उग्रसेन कंस को बार-बार व्यंग बाण से व्यथित करते हैं कि तुम राजपुरुष होकर स्त्रियों की तरह क्यों हो ? क्यों तुम्हें शस्त्रों में रुचि नहीं ? उग्रसेन कंस का इतना मानसिक उत्पीड़न करते हैं कि कंस के अंतर्मन में उनके प्रति प्रतिशोध की भावना आ जाती है और एक दिन कंस मगध नरेश जरासंध की सहायता से अपने पिता को बंदी बनाकर मथुरा साम्राज्य का आधिपत्य हासिल कर लेता है।

कंस की भूमिका में अखिलेश नारायण ने बेहतरीन अभिनय किया। साथ ही प्रद्योत का किरदार भी निभाया। शालिनी चौहान (देवकी), शैलेष कुशवाहा (वसुदेव), हेमलता पांडे (बाल कंस), सुमित ध्रुवा गौड़ (उग्रसेन), जय सिंह रावत (प्रलंब), जागृति संपूर्ण (स्वाति), चिराग बकुल (बाहुक), गौरव गुप्ता (प्रतिहारी 1), हिमांशु कोठवाला (प्रतिहारी 2) ने भी अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे।